THE MOTOR VEHICLES (AMENDMENT BILL, 1994

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Motor Vehicles Act, 1988.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI JAGDISH TYTLER: Madam, I introduce the Bill.

LEAVE OF ABSENCE

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that a telegram has been received from Shri R. K. Karanjia stating that he is still convalescing from illness and is unable to attend the House during the current session. He has, therefore, requested for the grant of Leave of Absence from all sittings of the House during the current session.

Is it the pleasure of the House that permission be granted to Shri R. K. Karanjia for remaining absent from all the sittings of the House during the current session?

(No hon. Member dissented)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Permission to remain absent is grant.

Re: Massacre of 26 persons in village Barun, District Khagaria Bihar.

श्री रजनी रंजन साहू (बिहार) : मैडम पिछले शनिवार से बिहार खगरिया जिसू में बरुण गांव में 26 लोगों की हत्याएं की गई । मैडम, यह हत्याओं एवं अप्रहर की कड़ी में एक नया आयाम है । इसमें निदर्ष 14 बच्चों और 7 महिलाओं की हत्याएं की गई हैं । माननीय गृह मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं । मैं उनका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा । बिहार में लॉ एंड आर्डर की स्थिति समाप्त है । वहां लॉ एंड आर्डर नाम की कोई चीज नहीं है । नरसहार हो रहे हैं और बिहार सरकार कुम्भकरण की तरह सोयी हुई है । पता नहीं, हमारे गृह मंत्री जी उन्हें जगाने का काम करेंगे या नहीं करेंगे ? लेकिन मैं उनसे निवेदन करना चाहूंगा कि यह तो... (व्यवधान)

गृह मंत्री (श्री एस०बी० चव्हाण) : कुम्भकरण जी क्यों जगा रहे हो ?

कुमारी सरोज खापर्डे : सोने दो, क्यों जगाते हो ?

श्री रजनी रंजन साहू : यह जो निर्दोष बच्चों और महिलाओं की हत्याएं हुई हैं, उन्हें मारकर कोसी नदी में भी बहा दिया गया । महोदया, यह तय है कि वहां भूमि सुधार का काम है या लैंड सीलिंग का काम है, वह कुछ हुआ नहीं है । जिस वजह से भी हत्याएं हुई हों, लेकिन यह सिलसिला चल रहा था और आज तक वहां की सरकार या वहां के जो पदाधिकारी हैं, उनकी तरफ से कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है । किसी को अरेस्ट नहीं किया गया है या किसी तरह की वहां पर रोकथाम नहीं की गई है । गरीब लोग गांव छोड़कर भाग रहे हैं । सारे गांवों के लोग भयभीत हैं । मैं चाहूंगा कि गृह मंत्री उस ओर विशेष ध्यान दें और वहां पर केन्द्र का दायित्व है उस दायित्व को निभाएं ।

श्री एस० एन० सिंह अहलुवालिया (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैं रजनी रंजन साहू जी ने जो विषय उठाया है उससे एसोसियेट करता हूं । सरकार ने जो आतंक लालू यादव पिछले चार सालों से बिहार में मचाया है, उस के ऊपर कई बार गौर किया जा चुका है, कई बार इसकी इंक्वायरी भी हुई लेकिन अभी तक कोई कारगर कदम केंद्र की तरफ से नहीं उठाया गया है । वैसे तो वोट लेने के वक्त अनुसूचित जातियों और पिछड़ा जातियों की ये बात करते हैं, लेकिन पिछड़ी जातियों के लोगों के गांव के गांव साफ कर दिए जाते हैं । वहां गांवों के लोगों को निकाल बाहर किया जाता है ।

[श्री एस० एस० सिंह]

उपसभापति महोदय, पटना से खगरिया तक पुलिस के कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हुई। पिछले शनिवार को यह घटनाज घटी है। अखबारों के माध्यम से केन्द्रीय सरकार को पता लगा है कि 35 आदमी मारे गए हैं। यह बात उस से ज्यादा गंभीर है कि वहां सैकड़ों लोग गांवों से अभी तक लापता हैं जिनका कहीं पता नहीं है। खगरिया जिला जो दूर दूर तक गंगा नदी के किनारे पर बसा इलाका है वहां पर अभी तक उन लोगों का पता नहीं लग सका है कि वह बहती हुई गंगा में मारकर बहा दिए गए हैं दफना दिए गए हैं या कहां चले गए इस का अभी तक पता नहीं है। अभी तक बिहार सरकार ने इस पर कोई कार्यवाही नहीं की है।

मेरी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग है कि एक उच्च स्तरीय होम मिनिस्ट्री की टीम वहां पर भेजी जाए तो बिहार के लॉ एंड आर्डर सिचुएशन को रिव्यू करे और उस पर कारगर कदम उठाए।

धन्यवाद।

SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): Madam, I associate myself with the concern and anguish expressed by Shri Sahu and Shri Ahluwalia. Now it has been the order of the day in Bihar. I would like to mention that some time back five persons belonging to our party were done to death and their bodies were charred by fire. So, there is a very sad situation. The State Government is not taking cognizance of such occurrences. When there is a complete breakdown of law and order and the State machinery is not looking into the interests of the citizens, my humble request to the Leader of the House is that the Centre should pay attention to this situaion. I know that law and order is a State matter. But when things go beyond the limits, naturally, our we are the Members of the Council of States concern should be taken into consideration by the hon. Leader of the House and something should be done to see that the lives of the innocent citizens are safe. Madam, you know about the cruelty. Though, as per the news which appear in the newspapers, 26 people have been killed, Mr. Ahluwalia has informed us that 35 people have been killed. We are not going into the number of killings. But innocent children have been killed. Out of them, twelve were children and three were women. So, there is a dance of cruelty in the State. I request that the Cntral should take note of it and do something.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mrs. Jayanti Natarajan do you want to say something on this issue?

SHRIMATI JAYANTI NATARAJAN: I don't want to say anything on this issue.

SHRI S. B. CHAVAN: Madam, on this issue of Bihar, at the initial stage we would like to get a report from the Government of Bihar. Therefter, if we feel that the situation, as it is developing in Bihar, is too serious for them to handle, then subsequent steps can be considered. But at this stage I would not like to make any comment.

Re. Demand for Amending Censor Guidelines to Prevent Caricaturing of particular Communities in Hindi Films

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): I would like to draw the attention of the House, through you, Madam, to a matter which has been hurting the feelings and the sentiments of not only the people of Tamil Nadu, but also of the States in the entire southern part of India. Hindi films are shown all over the country. Many of us don't follow what goes on in a Hindi film, even though we wanted.

Of late, I find in Hindi films, commercial films which are taken by the commercial producers, in plays on Doordarshan, in programmes on Doordarshan which are produced by the private producers but still shown on the national hookup, there is a tendency to make a caricature of people belonging to South India. It could be a person belonging to Tamil Nadu or it